



三

ପ୍ରଦୀପ ପାତ୍ର
କଣ୍ଠରେ ।

**БУРЯТ-МОНГОЛУН
УНЭН.**

№ 39

Адрес Редакции: г. Верхнеудинск
Объединенное Газетное Издательство ТВО-

କାନ୍ତିଜଳ କାନ୍ତିଜଳ

କରୁ ନାହିଁ । ଏ ପାତାଳ ॥

لـ ٦٠٠٠٠٠ دـ ٣٠٠٠٠ دـ ٢٠٠٠٠ دـ ١٥٠٠٠ دـ ١٠٠٠٠ دـ ٧٠٠٠ دـ ٥٠٠٠ دـ ٤٠٠٠ دـ ٣٠٠٠ دـ ٢٠٠٠ دـ ١٥٠٠ دـ ١٠٠٠ دـ ٧٠٠ دـ ٥٠٠ دـ ٤٠٠ دـ ٣٠٠ دـ ٢٠٠ دـ ١٥٠ دـ ١٠٠ دـ ٧٠ دـ ٥٠ دـ ٤٠ دـ ٣٠ دـ ٢٠ دـ ١٥ دـ ١٠ دـ ٧ دـ ٥ دـ ٤ دـ ٣ دـ ٢ دـ ١ دـ ٠

لَمْ يَمْكُرْ مَنْ

卷之八

ନାରୀକଣ୍ଠରେ ତ ଶିଳ୍ପରେ । ଅଜ୍ଞାନକଣ୍ଠରେ ॥
ନାରୀ ଏ ଗର୍ଭରେ ଲୁହି ଦେଖି ଧରିଲି ଯା



କାନ୍ତିମାଳି
ଶରୀର
ପିଲା
କାନ୍ତି

卷之三